Hindi Murli Quiz 21-08-2015

.

Q.1) मीठे बच्चे - बाबा आये हैं तुम्हें किंग ऑफ फ्लावर बनाने, इसलिए ____ की कोई भी बदबू नहीं होनी चाहिए |

- A. देह-अभिमान
- B. विकारों
- C. अवगुणों
- D. अक

Q.2) बेहद के वैरागी बनो तो _____ के सब संस्कार सहज ही खत्म हो जायेंगे।

- A. निराशा
- B. आलस्य
- C. आकर्षण
- D. परदर्शन

Q.3) वो लोग तो बिगर समझ कह देते हैं

- A. प्रभू तेरी माया प्रबल है।
- B. राम गयो ,रावण गयो |
- C. आत्मा निर्लेप है |
- D. आत्मा सो परमात्मा

Q.4) विकारों का अंश समाप्त करने के लिए कौन-सा पुरूषार्थ करना है?

- A. अन्तर्मुख अर्थात् सेकण्ड में शरीर से डिटैच।
- B. निरन्तर अन्तर्मुखी रहने का पुरूषार्थ करो।
- C. इस दुनिया की सुध-बुध बिल्कुल भूल जाए। एक सेकण्ड में ऊपर जाना और आना।
- D. कोई भी चुरपुर नहीं। यह सृष्टि तो जैसे है ही नहीं।
- E. कर्म करते-करते बीच-बीच में अन्तर्मुखी हो जाओ, ऐसा लगे जैसे बिल्कुल सन्नाटा है।

Q.5) बाप कहते हैं-बच्चे, ____ महाशत्रु है, उन पर जीत पानी है।

- काम
- kam
- qam
- qaam
- kaam
- cam
- caam
- calm

Q.6) सन्यासियों के आगे ऐसा कभी नहीं कहेंगे कि

- A. आप सर्वगुण सम्पन्न..... हम पापी नींच हैं।
- B. आप हमारी सद्गति करो |
- C. आप हमें सृष्टि के आदि,मध्य,अंत का राज़ समझाओ |
- D. आप पतित-पावन हो |

Q.7) Match the following

	Choice	Match
A	यहाँ हर एक को बिठाया जाता है कि अशरीरी हो बाप की याद में बैठो और	साथ-साथ यह जो सृष्टि चक्र है उनको भी याद करो।
B	मनुष्य 84 के चक्र को समझते नहीं हैं। समझेंगे ही नहीं।	जो 84 का चक्र लगाते हैं वही समझने आयेंगे।
C	तुमको यही याद करना चाहिए, इनको स्वदर्शन चक्र कहा जाता है,	जिससे आसुरी ख्यालात खत्म हो जायेंगे।
D	भगवानुवाच है ना।	यह एक जन्म पवित्र बनने से भविष्य 21 जन्म तुम पवित्र दुनिया का मालिक बनेंगे।
E	भारतवासी ही अपने धर्म को भूल दु:खी हुए हैं। भारत में ही पुकारते हैं तुम मात-पिता.....	विलायत में मात-पिता अक्षर नहीं कहते। वह सिर्फ गॉड फादर कहते हैं।
F	प्रजापिता ब्रह्मा की रात, तो जरूर उनके	ब्रह्मा मुख वंशावली ब्राह्मणों की भी रात होगी। आधाकल्प दिन, आधाकल्प

		रात।

Q.8) **इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -**

A. ☑ भ्रमरी और ब्राह्मणी राशि मिलती है। तुम विष्ठा के कीड़ों को ज्ञान-योग की भूँ-भूँ कर पतित से पावन बनाते हो।

B. ☑ बाप कहते हैं माया तुमको कितना भी हिलाये परन्तु तुम स्थिर रहो।

C. ☑ उतरना और चढ़ना होता रहेगा। यात्रा पर जाते हैं तो कहाँ ऊंचे, कहाँ नीचे होते हैं। तुम्हारी अवस्था भी नीचे-ऊपर होती रहेगी। अपना खाता देखना है। मुख्य है याद की यात्रा।

D. ☑ भोजन खाने समय भी बाप की महिमा करते रहो। बाबा को याद कर खाने से भोजन भी पवित्र हो जाता है।

E. ☑ अपवित्र होने से तुमने पाप बहुत किये हैं। यह है ही पाप आत्माओं की दुनिया।

F. ☑ श्री श्री 108 की माला है। ऊपर में है फूल, उनको कहेंगे शिव। वह है निराकारी फूल।